ई संदेश

13 अगस्त, 2026 | अंक - 218

सात दिन, सात पृष्ठ

- घुमन्तू विकास बोर्ड से विमुक्त एवं घुमन्तू जातियों के जीवन में आएगा ऐतिहासिक बदलाव: : मुख्यमंत्री
- प्रदेश में नई एकीकृत युवा नीति और राज्य युवा आयोग के गठन के निर्देश
- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: प्रदेश में बुनकरों और हस्तशिल्पियों के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- अम्बेडकरनगर को 706 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात
- 'हर घर तिरंगा' अभियान: मुख्यमंत्री ने युवाओं संग तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ किया
- 'राष्ट्र प्रथम' के भाव से ही साकार होगा आत्मनिर्भर भारत: मुख्यमंत्री
- विकास के पथ पर सिद्धार्थनगर: 311 करोड़ की परियोजनाओं से संवरेगा जनपद
- कोई भी नागरिक सम्मानजनक ढंग से अपने घर पर तिरंगा फहरा सकता है:मुख्यमंत्री
- सुगम यातायात की ओर बढ़ते गोरखपुरवासियों के कदम: : अब शहर के बाहर से ही होगा लखनऊ और नेपाल का सफर
- संत कबीर नगर को 684 करोड़ की सौगात: 201 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास
- मुख्यमंत्री जी ने 08अगस्त, 2026 को जनपद मेरठ में पवित्र कांवड़ यात्रा में सम्मिलित शिव भक्तों का स्वागत किया तथा उन पर पुष्पवर्षा की ।
- 'हर घर तिरंगा अभियान' (09-17 अगस्त, 2026) के अन्तर्गत 'तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ' शुभारम्भ कार्यक्रम की झलकियां
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से 08 अगस्त, 2026 को नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार भेंट की।

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

घुमन्तू विकास बोर्ड से विमुक्त एवं घुमन्तू जातियों के जीवन में आएगा ऐतिहासिक बदलाव: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 06अगस्त, 2026 को विमुक्त एवं घुमन्तू समाज द्वारा आयोजित आभार एवं अभिनन्दन कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री जी ने बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ हर तबके तक पहुंचाने का जो संकल्प लिया था, आज वह पूरी तरह धरातल पर उतर रहा है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि घुमन्तू विकास बोर्ड 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र के अनुरूप उत्थान की एक नई कड़ी है, जो इन जातियों को दर-दर भटकने की मजबूरी से मुक्त कर एक सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार प्रदान करेगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में इन जातियों ने अंग्रेजों के विरुद्ध बिना थके अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी थी। इसी शौर्य से घबराकर अंग्रेजों ने 1871 में इन्हें इसी शौर्य से घबराकर अंग्रेजों ने 1871 में इन्हें 'क्रिमिनल ट्राइब्स घोषित कर दिया था। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि स्वतंत्र भारत में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर जी ने इस काले कानून को समाप्त कर इन्हें विमुक्त जाति का सम्मान दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब कोई इन्हें क्रिमिनल ट्राइब नहीं कह सकता, क्योंकि वास्तव में ये देश के सच्चे स्वाधीनता संग्राम सेनानी हैं।

कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि डबल इंजन की सरकार के लिए जनता केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि साक्षात जनार्दन का रूप है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने मुसहर, वनटांगिया, थारू, गोंड, कोल, चेरो और सहरिया जैसी जातियों को सेचुरेशन के लक्ष्य तक पहुंचाते हुए उन्हें राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड, निःशुल्क रसोई गैस, और पेंशन जैसी तमाम बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह आच्छादित किया है।

महापुरुषों के सम्मान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि श्रृंगवेरपुर में भगवान श्रीराम से गले मिलते निषादराज की भव्य प्रतिमा, बहराइच में महाराज सुहेलदेव का स्मारक और बलरामपुर में ट्राइबल म्यूजियम स्थापित कर सरकार ने इन जातियों के ऐतिहासिक गौरव को पुनर्जीवित किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वीरांगनाओं के नाम पर महिला पुलिस बटालियन तथा महापुरुषों के नाम पर मेडिकल कॉलेज व विश्वविद्यालय की स्थापना इसी सम्मान श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिक्षा और भविष्य की कार्ययोजना पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि इन जातियों तथा श्रमिकों के बच्चों को अत्याधुनिक शिक्षा सुलभ कराने के लिए प्रदेश में आश्रम पद्धति विद्यालय और अटल आवासीय विद्यालय प्रारम्भ किए गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि घुमन्तू विकास बोर्ड शीघ्र ही पूरी क्षमता के साथ कार्य करना प्रारम्भ करेगा और इसके गठन में प्रत्येक जाति का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति का समग्र उत्थान हो सके।

प्रदेश में नई एकीकृत युवा नीति और राज्य युवा आयोग के गठन के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 06 अगस्त, 2026 को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के युवाओं के समग्र विकास के लिए एक एकीकृत युवा नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश की यह नई युवा नीति युवाओं की बदलती अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं के समग्र विकास से जुड़े कार्यक्रमों की सतत मॉनिटरिंग, मूल्यांकन और समय-समय पर आवश्यक सुझाव उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञों की सहभागिता वाला एक स्वतंत्र 'राज्य युवा आयोग' गठित किए जाने की सम्भावनाओं पर विचार किया जाए। उन्होंने बताया कि यह आयोग नियमित रूप से युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा करेगा, आवश्यक सुझाव देगा तथा बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप नीति एवं कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए हैं कि इस युवा नीति को तैयार करने से पहले प्रदेश के 16 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को गहराई से समझा जाए। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण की प्रक्रिया में विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, शोधार्थियों, स्टार्टअप उद्यमियों, युवा पेशेवरों तथा विभिन्न वर्गों के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि इसके लिए सार्वजनिक डोमेन के माध्यम से सुझाव भी आमंत्रित किए जाएं, ताकि यह नीति युवाओं की वास्तविक जरूरतों और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप आकार ले सके।

बैठक में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक पात्र युवा तक सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पहुंचे। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रस्तावित 'युवा नीति' का स्वरूप ऐसा होना चाहिए, जिसमें शिक्षा एवं कौशल विकास, उद्यमिता, रोजगार एवं नवाचार, डिजिटल सशक्तीकरण, स्वास्थ्य, खेल, नेतृत्व विकास तथा संस्कृति एवं विरासत सहित युवाओं के व्यक्तित्व के सभी महत्वपूर्ण आयामों का समग्र समावेश हो।

युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के विषय पर मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आधुनिक तकनीकों पर आधारित कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, ड्रोन, सेमीकण्डक्टर तथा अन्य उभरते हुए क्षेत्रों में प्रशिक्षण को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रत्येक जनपद में उद्यमिता और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण विकसित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि यूथ इन्क्यूबेशन सेण्टर, स्टार्टअप प्रोत्साहन रोजगार सृजन तथा युवाओं के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कैरियर मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति, रोजगार मेलों और अन्य आवश्यक सेवाओं को एक ही स्थान पर सुलभ कराया जाए।

रोजगार और करियर निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री जी ने सरदार वल्लभभाई पटेल इण्डस्ट्रियल एण्ड एम्प्लायमेण्ट ज़ोन की स्थापना का कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना' का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जाए, क्योंकि विगत समय में इस योजना के अत्यंत सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

उन्होंने निर्देश दिए कि इस कोचिंग योजना के प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसर तक विस्तार की सम्भावनाएं तलाशी जाएं और इसमें युवा आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों सहित अन्य विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि आज अनेक प्रतिष्ठित निजी कोचिंग संस्थान भी उत्तर प्रदेश में अपनी इकाइयां स्थापित करना चाहते हैं, अतः इस अनुकूल वातावरण का पूरा लाभ प्रदेश के युवाओं को अवश्य मिलना चाहिए।

खेल और फिटनेस के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। इसके दृष्टिगत उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, प्रत्येक विकास खण्ड में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, प्रत्येक जनपद में खेल उत्कृष्टता केन्द्र तथा प्रत्येक मण्डल में हाई परफॉर्मेंस सेण्टर विकसित करने की दिशा में कार्य तेज किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विधायक निधि से इनडोर स्टेडियम निर्माण के उनके पूर्व प्रयासों के अत्यन्त सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिसे आगे भी जारी रखा जाए। अंत में, उन्होंने निर्देश दिए कि युवाओं के लिए आधुनिक पुस्तकालयों, अध्ययन केन्द्रों और रीडिंग स्पेस का भी व्यापक विस्तार किया जाए, ताकि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और सुचारू अध्ययन के लिए एक बेहतर एवं सर्वथा अनुकूल वातावरण प्राप्त हो सके।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: प्रदेश में बुनकरों और हस्तशिल्पियों के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 07 अगस्त, 2026 को लखन में आयोजित 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह-2026' को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के हथकरघा उद्योग से जुड़े हस्तशिल्पियों एवं बुनकरों ने अपने उत्कृष्ट कौशल और परिश्रम से भारत की विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार हस्तशिल्पियों एवं बुनकरों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री जी ने सन्त कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार योजना के चयनित बुनकरों को सम्मानित किया। साथ ही, मुख्यमंत्री हथकरघा एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना और अन्य विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में हथकरघा उत्पादों के प्रमुख क्रेताओं व संस्थागत भागीदारों के बीच एमओयू का आदान-प्रदान भी सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व उन्होंने ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 07 अगस्त, 1905 को स्वदेशी की भावना ने देश को गुलामी से आजाद कराने का बड़ा संकल्प दिया था। महात्मा गांधी ने खादी और स्वदेशी को सबसे बड़ा शस्त्र बनाया था। इसी स्वदेशी उत्पाद को नया जीवन देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2015 में इस ऐतिहासिक तिथि को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस घोषित किया, जो लाखों उद्यमियों का सच्चा सम्मान है।

हथकरघा उद्योग को प्रदेश के लगभग 30 लाख लोगों की आजीविका का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वदेशी हमारी विरासत है। राज्य सरकार बुनकरों को प्रत्येक सुविधा उपलब्ध करा रही है। अब तक 40,000 बुनकरों को विभिन्न योजनाओं एवं विद्युत दर रियायत के माध्यम से 109 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए उत्पादों को आज की मांग के अनुरूप आधुनिक डिजाइन और तकनीक से जोड़ना आवश्यक है।

प्रदेश के जनपदों की वैश्विक धाक का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ की चिकनकारी से लेकर मेरठ, मुरादाबाद, अलीगढ़ और पूर्वांचल के हस्तशिल्पियों ने दुनिया को आकर्षित किया है। भदोही के कालीन उद्योग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 2017 से पूर्व मृतप्राय हो चुका यह उद्योग आज सैकड़ों करोड़ का निर्यात कर रहा है। देश की नई संसद में प्रधानमंत्री जी द्वारा भदोही की कालीन को प्राथमिकता देना उत्तर प्रदेश के कारीगरों का अभूतपूर्व सम्मान है।

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार उत्पादों को तकनीक, डिजाइन और एक्सपोर्ट से जोड़ रही है। वस्त्र उद्योग को कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार प्रदाता बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि लखनऊ और हरदोई के मध्य 1,000 एकड़ में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क और प्रदेश के पांच स्थानों पर सन्त कबीरदास टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 2017 से पूर्व प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा का नितांत अभाव था, लेकिन वर्तमान सरकार ने परम्परागत उद्यमों को 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) के माध्यम से वैश्विक ब्राण्डिंग दी है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि हथकरघा क्षेत्र में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं कार्य कर रही हैं और प्रदेश की 96 लाख एमएसएमई इकाइयों को सुरक्षा बीमा कवर व विश्वकर्मा योजनाओं से टूलकिट प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे दीपावली, होली और ईद जैसे प्रमुख त्योहारों पर उपहार स्वरूप प्रदेश के कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों, जैसे भदोही की कालीन, मुरादाबाद की पीतल की वस्तु या मेरठ के खेल के सामान का ही प्रयोग करें। मेरठ के स्पोर्ट्स उद्योग के पुनरुद्धार पर मुख्यमंत्री जी ने बताया कि सरकार ने वहां पीएनजी और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराकर निर्यात को भारी प्रोत्साहन दिया है।

सरकारी विभागों को कड़े निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अस्पतालों और गेस्ट हाउसों में स्थानीय हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित बेडशीट तथा तौलिये आदि का उपयोग ही सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम के अंत में हथकरघा उद्योग पर केंद्रित एक लघु फिल्म और प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के संदेश का प्रसारण किया गया।

अम्बेडकरनगर को 706 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 07 अगस्त, 2026 को जनपद अम्बेडकरनगर में 706 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास का मॉडल अम्बेडकरनगर में देखा जा सकता है, जो दो एक्सप्रेस-वे से जुड़कर नार्थ-साउथ कॉरिडोर का प्रमुख केंद्र बिंदु बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अम्बेडकरनगर के मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल केयर यूनिट के माध्यम से स्थानीय लोगों को बेहतर ट्रॉमा व इमरजेन्सी सेवाएं दी जा रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, आवास की चाभी तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और बच्चों का अन्नप्राशन व गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म भी पूरी की।

बाबा गोविन्द साहब धाम में पवित्र समाधि तथा श्रीरामजानकी मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह धाम आध्यात्मिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि यहां लगने वाले विशाल माघ मेले को अब राजकीय मेले के रूप में मान्यता प्रदान की जाएगी और इसे राजकीय परम्परा व आवश्यक सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 07 अगस्त 1905 को शुरू हुआ स्वदेशी का मंत्र आज हथकरघा व खादी के रूप में हम सबके लिए एक बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने प्रदेश के लाखों कारीगरों और हस्तशिल्पियों को नमन करते हुए देश के हथकरघा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनके योगदान की सराहना की।

लोकतांत्रिक व्यवस्था और हाल ही में प्रस्तुत 59 हजार करोड़ रुपये के अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसमें युवाओं के रोजगार, किसानों के उन्नयन और आधी आबादी के स्वावलम्बन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस बजट में महापुरुषों, संतों व ऋषियों के स्मारकों के संरक्षण के साथ ही आंगनबाड़ी, आशावर्कर व ग्राम चौकीदार के मानदेय तथा कोटेदारों के इन्सेन्टिव को बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्राविधान किया गया है।

विगत सरकारों से तुलना करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश माफिया, गुण्डा और कर्फ्यू मुक्त है तथा नौजवानों के समक्ष पहचान का कोई संकट नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 09 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले के 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' की जगह आज प्रदेश में 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट', 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज' और 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन' ने ले ली है।

गरीब कल्याण योजनाओं का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 16 करोड़ से अधिक लोगों को निःशुल्क राशन और 10 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 05 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मूक-बधिर बच्चों की सर्जरी का व्यय सरकार वहन कर रही है और निराश्रित महिला, वृद्धावस्था तथा दिव्यांगजन पेंशन का लाभ 01 करोड़ 10 लाख लाभार्थियों को मिल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत निराश्रित बच्चों की देखभाल के लिए 4,000 रुपये प्रति माह की सहायता दी जा रही है।

सांस्कृतिक विरासत और प्रदेश की सुरक्षा पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने विदेशी आक्रान्ताओं के नाम पर होने वाले आयोजनों पर सख्ती से रोक लगाई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बहराइच में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर मेडिकल कॉलेज और आजमगढ़ में विश्वविद्यालय संचालित है। इसके अतिरिक्त, वीरांगना ऊदा देवी, झलकारी बाई और अवंतीबाई लोधी के नाम पर महिला पीएसी की तीन बटालियनें गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर का निर्माण, श्रृंगवेरपुर में निषादराज गुह्य की प्रतिमा की स्थापना तथा काशी विश्वनाथ धाम सहित अन्य तीर्थ स्थलों का विकास प्रदेश की एक नई और गौरवशाली पहचान बन गया है।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और रोजगार पर केंद्रित कार्ययोजना साझा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही एक नई 'युवा नीति' लाने जा रही है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्किलिंग और रोजगार पर विशेष फोकस होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर हर जनपद में इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लॉयमेंट जोन बनाए जाएंगे। अंत में उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अन्नदाताओं के जीवन में खुशहाली लाने और हस्तशिल्पियों को वैश्विक पटल पर सम्मान दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

'हर घर तिरंगा' अभियानः मुख्यमंत्री ने युवाओं संग तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 09 अगस्त, 2026 को अपने सरकारी आवास पर 'हर घर तिरंगा अभियान' (09-17 अगस्त, 2026) के अन्तर्गत 'तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तिरंगा हमारी सादगी, विकास, विरासत तथा भारत की आन-बान-शान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने भारत माता के महान सपूतों तथा संविधान निर्माताओं डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित अन्य वीर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन महापुरुषों ने भारत की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। साथ ही, उन्होंने स्वतन्त्र भारत में देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों की स्मृतियों को भी नमन किया।

मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि भारत के प्रतीकों के प्रति सर्वोच्च सम्मान बनाए रखने के लिए राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का अपमान करने वालों को संज्ञेय अपराध की सूची में रखकर दण्डित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में इसका गान हो रहा है। काकोरी ट्रेन एक्शन के 101वें पावन पर्व का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 1925 में आज ही के दिन पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खाँ ने अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दी थीं। यह तिरंगा यात्रा इन्हीं हुतात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का संकल्प है।

युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत के प्रत्येक युवा के लिए एक प्रेरणा है। ऊर्जा और प्रतिभा का प्रतीक हमारा युवा देश की प्रत्येक चुनौती का सामना करने का सामर्थ्य रखता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को उचित प्लेटफॉर्म प्रदान करने के उद्देश्य से ही इस यात्रा का शुभारम्भ किया गया है, ताकि वे अपने पारम्परिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें।

मुख्यमंत्री जी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राजधानी लखनऊ में 25,000 से 30,000 युवा इस तिरंगा यात्रा में सहभागी बनकर 'राष्ट्र प्रथम' और 'तेरा वैभव अमर रहे माँ' के संकल्प के साथ हुतात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह अपार उत्साह राष्ट्रभक्ति और स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के प्रतिसम्मान का सच्चा भाव है।

आगामी 80वें स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत मुख्यमंत्री जी ने आह्वान किया कि प्रधानमंत्री जी के मंत्र के अनुरूप यह तिरंगा हर घर में फहराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री जी ने 140 करोड़ भारतीयों को यह अधिकार दिया है कि वे गर्व के साथ अपने घर पर तिरंगा लगा सकें, जिसके लिए पहले न्यायालय की शरण लेनी पड़ती थी। यह यात्रा उसी स्वतन्त्रता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्र के प्रतीकों के प्रति यह सम्मान भाव स्वतंत्रता के तत्काल बाद ही आ जाना चाहिए था। प्रधानमंत्री जी के 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प और युवाओं, महिलाओं, गरीबों व किसानों के उत्थान की योजनाओं को आदर्श बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

यह तिरंगा यात्रा 05 कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास से प्रारम्भ होकर विधान भवन तक पूरे अनुशासन और 'भारत माता की जय' व 'वन्दे मातरम्' के उद्घोष के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना और जल शक्ति मंत्री श्री स्वतन्त्र देव सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'राष्ट्र प्रथम' के भाव से ही साकार होगा आत्मनिर्भर भारत: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 09 अगस्त, 2026 को काकोरी शहीद स्मारक में काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर क्रान्तिकारियों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 09 अगस्त, 1925 को भारत माता के महान सपूतों ने ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देते हुए यह संदेश दिया था कि भारत गुलामी को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महान क्रान्तिकारियों ने सन् 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर से लेकर भारत छोड़ो आन्दोलन तक आजादी की लड़ाई के लिए कार्यक्रमों की एक लम्बी श्रृंखला खड़ी की थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके परिजनों को सम्मानित किया और वन्दे मातरम् व काकोरी के शहीदों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि काकोरी में पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ, चन्द्रशेखर आजाद और राजेन्द्र प्रसाद लाहिड़ी जैसे महान क्रान्तिकारियों ने उस खजाने को अपने कब्जे में लिया था, जिसे अंग्रेजों ने भारतीयों की गाढ़ी कमाई से हड़पा था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले इन महान क्रान्तिकारियों में से राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ और राजेन्द्र प्रसाद लाहिड़ी को क्रमशः गोरखपुर, प्रयागराज, फैजाबाद तथा गोण्डा में फांसी दी गई, जबकि शचीन्द्रनाथ बख्शी तथा मनमोहननाथ गुप्त को आजीवन कारावास की सजा हुई। चन्द्रशेखर आजाद का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वह अंतिम दम तक अंग्रेजों से लड़ते रहे और प्रयागराज की धरती पर शहादत को प्राप्त हुए।

क्रान्तिकारियों के प्रति पूर्ववर्ती व्यवस्थाओं के दृष्टिकोण पर कड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन नायकों का उद्देश्य भारत को स्वतंत्र कराना था, लेकिन ब्रिटिश शासन ने इस घटना को डकैती कहा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में सत्ता सम्भालने वालों ने भी 'काकोरी डकैती काण्ड' के नाम पर इन क्रान्तिकारियों को अपमानित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिन लोगों ने युवा पीढ़ी को इन नायकों के गौरव और आदर्शों से दूर रखा, उन्होंने सबसे बड़ा अन्याय किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत वीर सावरकर, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, रानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना ऊदादेवी पासी, अवन्तीबाई और झलकारीबाई जैसे महान नायकों के स्मारक नहीं बनने दिए गए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने आजादी के नायकों को उनका वास्तविक सम्मान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डकैती शब्द को हटाकर इसे 'काकोरी ट्रेन एक्शन' का नाम दिया गया। उनके अनुसार, वर्तमान सरकार ने बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर के पंच तीर्थ सहित अनेक क्रान्तिकारियों के स्मारकों को भव्यता प्रदान की है तथा अब इन क्रान्तिकारियों के नाम पर डाक टिकट जारी होने के साथ ही संस्थाओं के नाम भी रखे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने आम जनमानस का आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपने गाँव, क्षेत्र और जनपद में उन गुमनाम नायकों को खोजना चाहिए जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि क्रान्तिकारियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से जुड़ी बिखरी सामग्री को एकत्र किया जाए तथा उनसे जुड़े स्मारकों की मरम्मत व सौन्दर्यीकरण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की जाए। सामाजिक एकजुटता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की गुलामी का कारण हमारी आपसी फूट थी, और आज भी राष्ट्र विरोधी ताकतें जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर सोशल मीडिया के माध्यम से देश को बांटने का षड्यंत्र रच रही हैं।

राष्ट्र प्रथम के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकसित व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी, जब सभी के मन में 'राष्ट्र सर्वोपरि' का भाव होगा। उन्होंने अपनी मातृभूमि, भाषा और स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक होने पर बल देते हुए कहा कि 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस पर हर घर में तिरंगा फहराया जाना चाहिए और प्रत्येक संस्था में वन्दे मातरम् का गान होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया और 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण भी किया।

विकास के पथ पर सिद्धार्थनगर: 311 करोड़ की परियोजनाओं से संवरेगा जनपद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 09 अगस्त, 2026 को जनपद सिद्धार्थनगर में 311 करोड़ रुपये लागत की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में सिद्धार्थनगर देश के 112 आकांक्षी जनपदों में अग्रणी छलांग लगाते हुए नीति आयोग से 25 करोड़ रुपये का पुरस्कार प्राप्त करने वाला जनपद बन गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, आवास की चाभी और आयुष्मान कार्ड आदि वितरित किए तथा बच्चों का अन्नप्राशन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भगवान बुद्ध की पावन धरा सिद्धार्थनगर आज से ढाई हजार वर्ष पहले अपने वैभव के लिए विख्यात थी, लेकिन आजादी के बाद 75 वर्षों तक यह क्षेत्र विकास के लिए तरसता रहा। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि आज 127 करोड़ रुपये की 46 परियोजनाओं के लोकार्पण तथा 184 करोड़ रुपये की 61 परियोजनाओं के शिलान्यास के साथ यह जनपद शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कृषि विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो चुका है।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 09 अगस्त, 1925 को क्रान्तिकारियों ने खजाने को अपने कब्जे में लेकर आजादी के यज्ञ में अर्पित किया था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने इसे डकैती की संज्ञा दी थी, लेकिन प्रधानमंत्री जी ने इसे 'काकोरी ट्रेन एक्शन' का नाम देकर क्रान्तिकारियों को उनका यथोचित सम्मान दिया है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि आजादी के बाद क्रान्तिकारियों के योगदान को भुलाकर केवल एक परिवार को महत्व दिया गया, लेकिन आज ऐसे लोग सत्ता से बाहर हैं।

देश की गुलामी के कारणों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी आपसी फूट और समाज को जाति, क्षेत्र व भाषा के नाम पर बांटने की कुप्रवृत्ति ही हमारी पराधीनता का मुख्य कारण थी। मुख्यमंत्री जी ने सचेत किया कि आज भी कुछ लोग समाज को जाति के नाम पर बांटकर वही पाप दोहरा रहे हैं, जिससे युवाओं और समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

देश की आर्थिक प्रगति को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में निवेश का बेहतरीन वातावरण है और युवाओं के लिए एक मजबूत स्टार्टअप ईको-सिस्टम विकसित हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2014 से पूर्व युवाओं की स्किलिंग की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन आज पूरे देश में 17,000 स्किल डेवलपमेण्ट सेण्टर संचालित हैं और विगत 12 वर्षों में 17 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

चिकित्सा शिक्षा में हुए ऐतिहासिक सुधारों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में मात्र 431 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 818 हो गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में एम्स की संख्या 07 से बढ़कर 23 हो गई है और एमबीबीएस व पीजी की सीटों में भी भारी वृद्धि हुई है, जिससे हमारे युवा अब 'जॉब सीकर' के स्थान पर 'जॉब क्रिएटर' बन रहे हैं।

प्रदेश की सुदृढ़ कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में माफियाओं की समानांतर सत्ता थी और पर्व-त्योहार शांति से नहीं मनाए जा सकते थे। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि आज यूपी में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, कांवड़ यात्राएं अनुशासन और गौरव के साथ निकल रही हैं तथा बेटियां व व्यापारी पूरी तरह सुरक्षित वातावरण में हैं।

सिद्धार्थनगर के स्थानीय विकास को गति देने पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'एक जनपद एक उत्पाद' के तहत यहाँ के 'काला नमक चावल' की भारी माँग है, जिसके लिए कॉमन फैसिलिटेशन सेण्टर स्वीकृत किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कपिलवस्तु में थीम पार्क व विपश्यना केन्द्र के साथ ही गोरखपुर से शामली होते हुए सिलीगुड़ी तक बनने वाले नए इकोनॉमिक कॉरिडोर से सिद्धार्थनगर सीधे तौर पर लाभान्वित होगा।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही एक नई 'युवा नीति' लाने जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग' का विस्तार किया जा रहा है, जहाँ डीएम, एसपी व अन्य चयनित अधिकारी युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक में पारंगत किया जा रहा है तथा मेधावी बेटियों के लिए सरकार जल्द ही 'रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना' प्रारम्भ करने जा रही है।

गरीब कल्याण और स्वास्थ्य सुविधाओं की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 16 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन और 10 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले जापानी इन्सेफेलाइटिस से सिद्धार्थनगर सहित पूरे पूर्वांचल में भारी जनहानि होती थी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर इस बीमारी पर पूरी तरह से नियंत्रण स्थापित कर लिया है।

अनुपूरक बजट का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 59,000 करोड़ रुपये के इस बजट में युवाओं, महिलाओं, किसानों व मानदेय कर्मियों के कल्याण की व्यापक व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बांसी-मिठ्वन मार्ग, डुमरियागंज में बरड़िया-बढ़नी चापा मार्ग और इटवा में बढ़िया-गोला बाजार मार्ग के निर्माण हेतु करोड़ों रुपये की स्वीकृति दी गई है। अंत में, मुख्यमंत्री जी ने देशवासियों को 80वें स्वाधीनता दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कोई भी नागरिक सम्मानजनक ढंग से अपने घर पर तिरंगा फहरा सकता है:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 10 अगस्त, 2026 को जनपद गोरखपुर में 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 के अन्तर्गत आयोजित तिरंगा यात्रा को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि भारत के हुतात्माओं, अमर बलिदानियों और स्वाधीनता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री जी ने नगर निगम पार्क में अमर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा से लेकर रेलवे स्टेशन के समीप महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक निकलने वाली इस ऐतिहासिक यात्रा में सहभागिता की। उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम से पूर्व उनके द्वारा जनसेवा हेतु समर्पित एम्बुलेंसों को भी हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

तिरंगे के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यह ध्वज भारत की आन-बान-शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1905 के स्वदेशी आन्दोलन से लेकर 1930 के दशक में चरखे वाले ध्वज और अंततः स्वतंत्र भारत में धर्मचक्र के साथ राष्ट्रीय ध्वज को स्वीकार किए जाने तक, तिरंगे ने देश के स्वतंत्रता आन्दोलन को नई गति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि पहले नागरिकों को सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने के लिए न्यायालय में लम्बा संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नेशनल फ्लैग कोड में ऐतिहासिक संशोधन किया गया, जिससे आज कोई भी नागरिक सम्मानपूर्वक अपने घर पर तिरंगा फहरा सकता है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विगत वर्षों की भांति वर्ष 2026 में भी तिरंगा यात्रा के साथ 'हर घर तिरंगा' अभियान निरन्तर अपने चरम की ओर बढ़ रहा है।

युवाओं के लिए क्रान्तिकारियों को सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी युवा से उसके आदर्श को छीनना उसे गौरव के भाव से वंचित करने के समान है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक युवा को राष्ट्रगौरव की अनुभूति से जोड़ने के लिए ही 'हर घर तिरंगा' अभियान को एक व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप प्रदान किया है।

उत्तर प्रदेश को स्वतंत्रता आन्दोलन का प्रमुख केन्द्र बिन्दु बताते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बैरकपुर में मंगल पांडे, गोरखपुर में शहीद बंधू सिंह, झांसी में रानी लक्ष्मीबाई, बिठूर-कानपुर में तात्या टोपे और मेरठ में धन सिंह कोतवाल ने आजादी की जो चिंगारी प्रज्वलित की थी, वह पूरे देश का मंत्र बनी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1922 की चौरी-चौरा की ऐतिहासिक घटना ने भी अंग्रेजी शासन की चूलें हिला दी थीं।

काकोरी की ऐतिहासिक घटना का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 1925 में पं0 राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खाँ सहित अनेक क्रान्तिकारियों ने अंग्रेजों द्वारा भारत को लूटकर ले जाए जा रहे धन को वापस लेकर देश की आजादी के लिए उपयोग करने का साहसिक कार्य किया था। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि अंग्रेजों और आजादी के बाद की सरकारों ने इसे 'डकैती' कहा था, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के रूप में प्रतिष्ठित कर इन अमर बलिदानियों के योगदान को उचित सम्मान दिया है।

क्रान्तिकारियों की पूर्व में हुई उपेक्षा का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उन्हें वह सम्मान मिल रहा है, जिसके वे वास्तव में हकदार थे। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के युवाओं का आह्वान किया कि वे तिरंगा यात्रा में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करें और अपनी सेल्फी अपलोड करें। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस वर्ष प्रदेश के सरकारी, निजी संस्थानों और घरों को मिलाकर कुल 05 करोड़ स्थानों पर तिरंगा फहराने का वृहद लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महान क्रान्तिकारियों ने जाति-पाँति का विचार किए बिना 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने बताया कि राष्ट्र प्रतीकों के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए हाल ही में भारत सरकार ने राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के अपमान को संज्ञेय अपराध की श्रेणी में रखते हुए दण्ड का प्राविधान किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह वर्ष 'वन्दे मातरम्' की रचना के 150वें वर्ष के रूप में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः इसके प्रति सम्मान और राष्ट्रभाव को व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का परम दायित्व है।

सुगम यातायात की ओर बढ़ते गोरखपुरवासियों के कदमः अब शहर के बाहर से ही होगा लखनऊ और नेपाल का सफर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 11 अगस्त, 2026 को जनपद गोरखपुर में 70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एनएच-24 (सोनौली-नौतनवा-गोरखपुर मार्ग) से निकलकर ग्रीन सिटी कॉलोनी (पटनिया होते हुए माधोपुर बन्धे तक) 02-लेन मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लगभग 02 किलोमीटर लम्बे इस मार्ग के लोकार्पण से स्थानीय निवासियों के लिए आवागमन अत्यंत आसान और सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि आज पूरा गोरखपुर शहर बदलता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि पहले यहां के मार्ग संकरे थे और कई जगह जल-जमाव की भारी समस्या रहती थी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज विकास सम्बन्धी अनेक कार्य गोरखपुर को एक नई पहचान दिला रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि गोरखपुर का हर मार्ग अब 4-लेन सड़क से जुड़ चुका है और शहर में नए फ्लाईओवर बन रहे हैं, ताकि आमजन का जीवन और अधिक आसान हो सके।

क्षेत्र की पुरानी समस्याओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यहां बहुत पहले से निवास कर रहे लोगों को आवागमन में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि मार्ग संकरा होने के कारण इस क्षेत्र में ट्रक, ट्रॉली और बस जैसे बड़े वाहन प्रवेश नहीं कर पाते थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह गोरखपुर शहर का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मार्ग है, जिस पर सरस्वती शिशु मन्दिर सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सहित अनेक शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान स्थापित हैं। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि इसके अतिरिक्त यहां महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक और नगर निगम के सीवेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट जैसे अनेक प्रमुख प्रतिष्ठान भी स्थित हैं।

कनेक्टिविटी के सुदृढ़ीकरण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस मार्ग के लोकार्पण से शहर की कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि यह नया मार्ग सोनौली-नौतनवां-गोरखपुर मार्ग को डोमिनगढ़-माधोपुर बन्धा से बसियाडीह मन्दिर एवं हाबर्ट बन्धा (जो वर्तमान में 4-लेन निर्माणाधीन है) होते हुए सीधे गोरखपुर-लखनऊ मार्ग से जोड़ रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यातायात को और अधिक सुगम बनाने के लिए डोमिनगढ़ में एक फ्लाईओवर का निर्माण भी किया जाएगा।

यातायात व्यवस्था के लाभों का विस्तार से उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब जिन्हें वाराणसी, लखनऊ, सोनौली (नेपाल), महराजगंज, सिद्धार्थनगर या बलरामपुर की ओर जाना है, उन्हें गोरखपुर शहर के भीतर जाने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि लोग इस नवनिर्मित मार्ग का प्रयोग कर आसानी से अपने गन्तव्य तक जा सकते हैं। लखनऊ जाने वाले यात्रियों को लेकर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब उनके लिए गोलघर, ट्रांसपोर्ट नगर तथा नौसढ़ होते हुए जाने की कोई बाध्यता नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि नागरिक यहीं से तटबन्ध पकड़कर सीधे डोमिनगढ़ से 4-लेन बाईपास के माध्यम से सहजनवा व कालेसर के पास से सीधे लखनऊ जा सकते हैं। इसी प्रकार, सोनौली जाने वाले यात्री भी तटबन्ध से सीधे महेसरा होते हुए आसानी से सोनौली मार्ग पकड़ सकते हैं।

संत कबीर नगर को 684 करोड़ की सौगात: 201 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 11 अगस्त, 2026 को जनपद संत कबीर नगर में खलीलाबाद एवं मेंहदावल विधानसभा क्षेत्रों की 684 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि की 201 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार विकास के माध्यम से आमजन के जीवन में परिवर्तन लाने और प्रगति के माध्यम से समृद्धि के नए सोपान स्थापित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र तथा टूलकिट प्रदान किए और विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह जनपद का सौभाग्य है कि यहां बाबा तामेश्वरनाथ का पवित्र धाम स्थित है। मुख्यमंत्री जी ने सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा तामेश्वरनाथ से सभी के उज्ज्वल भविष्य, सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि मध्यकालीन निर्गुण धारा के प्रखर संत कबीर दास जी ने पाखण्ड, जाति-पाति के भेदभाव तथा समाज को बांटने वाली प्रवृत्तियों पर कड़ा प्रहार किया था। संत कबीर दास जी के संदेश को समाज तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में मगहर में कबीर एकेडमी का निर्माण कराया गया है, जहां कबीर से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

प्रदेश में आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार बाबा तामेश्वरनाथ धाम में कॉरिडोर निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है, जिसके लिए स्थानीय लोगों का सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों को मुआवजा तथा उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री जी ने बैजूनाथ धाम मन्दिर के सम्बन्ध में धर्मार्थ कार्य विभाग को शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए।

स्थानीय रोजगार और औद्योगिक विकास के विषय में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संत कबीर नगर में बन्द कताई मिल को फिर से प्रारम्भ करने के लिए कार्य किया जा रहा है, ताकि युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खलीलाबाद के निकट गोरखपुर औद्योगिक विकास क्षेत्र (गीडा) में विगत 09 वर्षों में 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है, जिनमें संत कबीर नगर के युवा भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में लैंड बैंक तैयार होने के बाद संत कबीर नगर विकास प्राधिकरण के गठन की कार्यवाही भी आगे बढ़ाई जाएगी।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के मोर्चे पर मिली सफलताओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पूर्वांचल में इंसेफेलाइटिस के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाकर निर्णायक सफलता हासिल की है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज सरकार अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में बिना भय के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हो रहे हैं और बेटियां व व्यापारी पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

गरीब कल्याण योजनाओं का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संत कबीर नगर में लगभग 95 हजार परिवारों को आवास और साढ़े तीन लाख से अधिक गरीब परिवारों के घरों में शौचालय का निर्माण कराया गया है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत जनपद के 03 लाख से अधिक किसानों को 6,000 रुपये की वार्षिक आर्थिक सहायता मिल रही है तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ भी पात्रों को बिना किसी सिफारिश के दिया जा रहा है।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा में हुए सुधारों पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में आईआईटी की संख्या 16 थी जो अब 23 हो गई है, तथा एम्स की संख्या 07 से बढ़कर 23 हो गई है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि एमबीबीएस की सीटें 51,348 से बढ़कर 1,28,926 हो गई हैं और देश में स्टार्टअप की संख्या 500 से बढ़कर 2.23 लाख से अधिक हो गई है।

भर्ती परीक्षाओं में शुचिता को लेकर मुख्यमंत्री जी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया तो उसकी सम्पत्ति जब्त करने और आजीवन कारावास की सजा दिलाने तक की सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। अंत में मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया कि संत कबीर नगर उनके आंगन के समान है, जहाँ सड़क, पेयजल, आईटीआई और अस्पताल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने 08 अगस्त, 2026 को जनपद मेरठ में पवित्र कांवड़ यात्रा में सम्मिलित शिव भक्तों का स्वागत किया तथा उन पर पुष्पवर्षा की ।

‘हर घर तिरंगा अभियान’ (09-17 अगस्त, 2026) के अन्तर्गत ‘तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ’ शुभारम्भ कार्यक्रम की झलकियां

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से 08 अगस्त, 2026 को नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शिष्टाचार भेंट की।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित